

विजयदोहावली

जिसको

तुलसीदासजीने अपनी रामायण के कठिन और गु
ताथ दोहे,चौपाइ सोरठे आदिके भाव यथार्थ प्रकट
करने के निमित्त पूर्वोक्त छन्दों मे प्रकाशित किया

वहा

रामायणानुरागियो के चित्तानन्दार्थ

छठवी बार

लखनऊ

सुपरिंटेंडेट बाबू मनोहरलाल भार्गव के प्रबन्ध से
मशा नवलकिशोर (सा आई ई) के छापेखाने मे छापीगई

सन् १९ ५ ई